>

Title: Problems being faced by the teachers and non-teaching staff of Navodaya Vidyalayas in the Country.

श्री राम कृपाल यादव (पटना) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके प्रति आभार व्यक्त करना चाहता हूं कि आपने मुझे एक अति महत्वपूर्ण मसले पर बोलने की इजाजत दी है। मैं आपके माध्यम से मानव संसाधन मंत्री जी का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। नवोदय विद्यालयों के शिक्षक और कर्मी लगभग 18 घंटे रोजाना परिश्रम करते हैं। इसके बावजूद उन्हें दूसरे केन्द्रीय कर्मियों के मुकाबले कम सुविधाएं मिल रही हैं। केन्द्रीय विद्यालय और नवोदय विद्यालय के शिक्षकों और कर्मियों के वेतन और सुविधाओं में काफी अंतर है। नवोदय विद्यालय के शिक्षकों और कर्मियों को उच्चतम वेतनमान प्राप्त नहीं हो रहा है। इसके अलावा उन्हें पेंशन, ग्रेचुएटी, ग्रामीण क्षेत्र भत्ता, आवास भत्ता, वाहन भत्ता, चिकित्सा भत्ता आदि कोई सुविधा प्राप्त नहीं हो रही है। ये लोग 18 घंटे काम करते हैं, जबकि केन्द्रीय विद्यालय के अध्यापक दिन में छः घंटे काम करते हैं और उन्हें ये सब सुविधाएं मिलती हैं। यह दोहरा मापदंड कैसे चलेगा।

अध्यक्ष महोदय: नहीं चलना चाहिए।

श्री राम कृपाल यादव : उनका उत्साहवर्धन करने के लिए उनके साथ न्याय करना चाहिए और सरकार को इस सम्बन्ध में न्यायोचित कदम उठाना चाहिए। मैं मानव संसाधन मंत्री जी को कहना चाहता हूं कि यह जो गैर बराबरी है, केन्द्रीय विद्यालय और नवोदय विद्यालय के शिक्षकों और कर्मियों में, उसे दूर करना चाहिए। नवोदय विद्यालय के शिक्षकों को पेंशन भी नहीं मिलती है, तो कहां से काम होगा।

अध्यक्ष महोदय: ठीक है, आपने अपनी बात कह दी, अब समाप्त करें।

श्री राम कृपाल यादव : अभी पूरी बात नहीं कही है।

MR. SPEAKER: I will abolish this 'Hour'.

श्री राम कृपाल यादव : ये लोग रविवार के दिन यानी छुट्टी के दिन भी काम करते हैं, जबकि हम सब लोग उस दिन अपने-अपने घरों में रहते हैं। ये लोग वहीं रहते हैं इसलिए उन्हें 24 घंटे काम करना पड़ता है।

अध्यक्ष महोदय: हम लोगों को उनसे सीखना चाहिए। आप तो भाग जाते हैं।

श्री राम कृपाल यादव : आप तो सबके संरक्षणकर्ता हैं। जब भी न्याय की बात आती है, तो आप उसे स्वीकार करते हैं। हम आपसे अनुरोध करते हैं कि आप इस मामले में मानव संसाधन मंत्री जी को निर्देश दें कि वह इस गैर बराबरी को दूर करें। नवोदय विद्यालय के शिक्षकों को भी वे सब सुविधाएं मिलनी चाहिए, जो केन्द्रीय विद्यालय के शिक्षकों को मिलती हैं और उन्हें भी उचित वेतनमान देने का काम सरकार को करना चाहिए। मैं पुनः शिक्षा मंत्री जी से अनुरोध करूंगा कि नवोदय विद्यालय के शिक्षकों और कर्मियों के प्रति जो अन्याय हो रहा है, उस सम्बन्ध में तुंत उचित कदम उठाकर उन्हें सही वेतन और अन्य सुविधाएं देकर उनका उत्साहवर्धन करें।